NaiDunia (Indore), 11th November 2023, NaiDunia-City Page – I

सीपीएस फाउंडेशन देश के 20 स्टार्टअप को देगा गति

आइआइटी इंदौर की दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन की टीम। ●सौ .संस्थान

आदर्श सिंह

इंदौर के स्टार्टअप कल्चर को देश ही नहीं विदेश में भी पहचान मिल रही है। यहां बड़ी संख्या में युवा स्टार्टअप पर काम कर रहे हैं। इसी कल्चर को बढ़ावा देने और स्टार्टअप की ग्रोथ में सहयोग करने का जिम्मा आइआइटी इंदौर के आइआइटीआइ दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन ने उठाया है। सीपीएस फाउंडेशन देश के चुनिंदा स्टार्टअप को आगे बढ़ाने के लिए 100 दिनों का डेडिकेटेड इनोवेशन एक्सीलरेटेड प्रोग्राम शुरू करने जा रहा है। इसके लिए सीपीएस फाउंडेशन ने देशभर के स्टार्टअप से आवेदन मंगवाए हैं। इनमें से 20 स्टार्टअप को चुनकर सहयोग दिया जाएगा। साथ ही सीपीएस द्वारा लाखों रुपये की फंडिंग भी दी जाएगी।

तीन बूट कैंप होंगे, अमेरिका की निवेशक होंगी शामिल

आइआइटीआइ दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के सीईओ आदित्य व्यास ने बताया कि फाउंडेशन द्वारा डेडिकेटेड इनोवेशन एक्सीलरेटेड प्रोग्राम जल्द शुरू किया जाएगा। यह प्रोग्राम सौ दिनों का रहेगा, जिसमें सीपीएस फाउंडेशन 20 स्टार्टअप को उनके बिजनेस व उत्पाद इंप्रूवमेंट, मार्केट एक्सिस और टेक्नोलाजी इंप्रूवमेंट में मदद करेगा। इसके लिए तीन बूट कैंप आयोजित किए जाएंगे। इसमें पहला दिल्ली, दूसरा इंदौर या भोपाल और तीसरा बेंगलुरु में होगा। इस बार तीन निवेशकों को भी बूट कैंप में शामिल किया जाएगा ताकि स्टार्टअप को फंडिंग मिलने में आसानी हो। इस बार इन निवेशकों में अमेरिका की कंपनी से प्रेरणा वैद्य भी शामिल रहेंगी। प्रेरणा प्रवासी भारतीय सम्मेलन में इंदौर आई थीं। यहां उन्हें स्टार्टअप कल्चर को देखकर प्रसन्नता हुई, इसलिए उन्होंने स्टार्टअप में फंडिंग करने की योजना बनाई। दिल्ली के बूट कैंप में प्रेरणा मौजूद रहेंगी।

सीपीएस फाउंडेशन करेगा 25 लाख की मदद

आइआइटीआइ दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन ने इस बार स्टार्टअप को फंडिंग करने का भी प्रविधान किया है। इसके तहत सीपीएस फाउंडेशन द्वारा स्टार्टअप को 25 लाख रुपये तक की सहायता प्रदान की जाएगी। यह सहायता स्टार्टअप के स्तर के आधार पर दी जाएगी। जैसे स्टार्टअप की तकनीक किस स्तर पर है, उत्पाद तैयार है या नहीं, तकनीक में इनोवेशन है या नहीं, टीम कैसी है और स्टार्टअप का मार्केट कितना बड़ा है आदि। इसी प्रकार जो स्टार्टअप अपने शुरुआती दौर में होंगे और उन्हें मार्केट में उतरने के लिए मदद चाहिए होगी, उन्हें 10 लाख रुपये की फंडिंग मिलेगी। जिस स्टार्टअप का उत्पाद तैयार होगा और उन्होंने उसे बेचना शुरू कर दिया होगा, उसे 25 लाख रुपये की फंडिंग दी जाएगी।

ऐसे चुने जाएंगे स्टार्टअप

सौ दिनों के इस प्रोग्राम के लिए स्टार्टअप से आवेदन मंगवाने के साथ ही इन्हें चुनने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अब स्टार्टअप को अपना प्रेजेंटेशन देना होगा, जिसमें पांच सदस्य निर्णायकों के तौर पर उपस्थित रहेंगे। निर्णायकों में वेंचर कैपिटल इंवेस्टर, एंजल इंवेस्टर, विषय विशेषज्ञ, आइआइटी इंदौर के प्रोफेसर और सीपीएस फाउंडेशन का एक सदस्य शामिल रहेगा। ये सभी स्टार्टअप की प्रेजेंटेशन के बाद उन्हें नंबर देंगे और टाप स्टार्टअप को चुनेंगे।